कार्यकारी सार

प्रतिवेदन में 44 पैराग्राफों को अन्तर्विष्ट करते हुए ₹ 70.38 करोड़ का कुल राजस्व शामिल है। हमने इनके अतिरिक्त ₹ 91.80 करोड़ के राशि मूल्य वाले 150 पैराग्राफ जारी किए थे जिनपर विभाग/मंत्रालय ने कारण बताओं ज्ञापनों को जारी करके,कारण बताओं ज्ञापनों पर निर्णय लेकर तथा ₹ 31.71 करोड़ की वसूली करके सुधारात्मक कार्रवाई की। इस प्रतिवेदन में शामिल कुछ महत्वपूर्ण निष्कर्षों का वर्णन आगामी पैराग्राफों में किया गया हैं :-

अध्याय I: सेवा कर प्राप्तियां

- **पिछले पांच लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में (इस वर्ष के प्रतिवेदन सहित) हमने ₹ 1,159.94 करोड़ के 715 लेखापरीक्षा पैराग्राफ शामिल किए गए थे। इनमें सरकार ने 597 लेखापरीक्षा पैराग्राफों में ₹ 599.55 करोड़ की लेखापरीक्षा आपत्तियों को मान लिया तथा ₹ 217.53 करोड़ की वसूली की।**

{पैराग्राफ 1.6.1}

अध्याय II: सेवाकर का भुगतान न करना

- **पंजीकृत सेवा प्रदायकों, सेवाओं के प्राप्तकर्ताओं तथा अपंजीकृत सेवा प्रदायकों द्वारा कुल मिलाकर ₹ 50.36 करोड़ के सेवाकर का भुगतान नहीं किया गया था।**

{पैराग्राफ 2.1 से 2.3}

अध्याय III: सेवाकर का कम भुगतान

- **गलत स्वंय निर्धारण, सेवा के मूल्यों के छिपाव आदि के कारण कुल ₹ 11.80 करोड़ के सेवाकर का कम भुगतान हुआ।**

{पैराग्राफ 3.1 से 3.6}

अध्याय IV: सैनवेट क्रेडिट

- **इनपुट सेवाओं पर कर के भुगतान हेतु सैनवेट क्रेडिट के उपयोग, इनपुट सेवाओं सैनवेट का क्रेडिट समय से पहले लेने, शुल्क योग्य/छूट प्राप्त सेवाओं के लिए प्रयुक्त एक जैसी इनपुट सेवाओं हेतु अलग खाता न रखे जाने, अयोग्य सेवाओं पर सैनवेट क्रेडिट लेने, अवैध दस्तावेजों के आधार पर क्रेडिट लेने अथवा ज्यादा क्रेडिट लेने, के मामले देखे गए थे। इन मामलों में ₹ 7.89 करोड़ का सेवाकर शामिल था।**

{पैराग्राफ 4.1 से 4.6 }

अध्याय V: ब्याज का भुगतान न करना

- **लेखापरीक्षा में सेवाकर के देर से भुगतान पर ₹ 32.88 लाख तक के ब्याज का भुगतान न होने के मामले देखे गए थे।**

{पैराग्राफ 5.1 से 5.2}